प्रधानमंत्री ने किया सकारात्मक ऊर्जा का संचार

सीएम ने सुनी भाजपा नेताओं के साथ मोदी के मन की बात

भोपाल 26 अक्टूबर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के प्रसारण का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोटरा सुल्तानाबाद स्थित कमला नेहरु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्थानीय निवासियों के साथ श्रवण किया. साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को स्वदेशी की शपथ दिलाई.

कार्यक्रम के प्रसारण के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यों और नवाचारों के आधार पर देश में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया है. मन की बात कार्यक्रम भारत का लघु रूप प्रस्तुत करती है. विविधता से भरे

देश के विभिन्न राज्यों में क्या नया हो रहा है, यह इस कार्यक्रम से संक्षेप में ज्ञात होता है. राज्यों के कई नवाचार अनुकरणीय और प्रेरक होते हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज के मन की बात कार्यक्रम के 127वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संस्कृत भाषा के प्रति युवाओं की बढ़ती रूचि का विशेष रूप से उल्लेख किया. कहा है कि प्रधानमंत्री की पहल पर गुजरात में केवड़िया धाम पर्यटन के सुंदर और आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है. सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. राज्य सरकार का दल भी इन कार्यक्रमों में सहभागिता करेगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छठ पूजा की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व भारतीय परिवार परम्परा की सशक्त अभिव्यक्ति है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों में सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य की प्रस्तुति भी होगी. कार्यक्रम पूर्ण भव्यता के साथ 5 मंचों पर किया जाएगा. यह भोपाल में उस युग को पुनः जीवंत करने का प्रयास है.

> सम्राट विक्रमादित्य के जन्म से लेकर उनके राज्यारोहण तक की सभी गाथाओं को एक सूत्र में पिरोया गया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमुदाय से स्थापना दिवस के कार्यक्रमों में उत्साह के साथ सहभागिता करने का आहवान किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में देश राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 में वर्ष में प्रवेश कर रहा है. इस अवसर पर देशभर में वृहद स्तर पर राष्ट्रभक्ति से प्रेरित आयोजन किए जाएंगे. उन्होंने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा. उन्होंने युवाओं से भारतीय जनजाति गौरव के प्रतीक रहे महापुरुषों के जीवन पर आधारित साहित्य और पुस्तकों का अध्ययन कर उनके संघर्षों को जानने समझने का आहवान किया. प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में संस्कृत को प्रोत्साहित करने वाले अनेक सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर का उल्लेख करते हुए उनके कार्यों की सराहना की.

पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव ने प्रदेश सरकार से पूछे सवाल

▸ किसान, मंडी बोर्ड और भावांतर योजना का उठाया मुद्दा

भोपाल, 26 अक्टूबर. पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने रविवार को भोपाल में मध्यप्रदेश और केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर जमकर निशाना साधा.

उन्होंने किसानों की अनदेखी, मंडी बोर्ड के आर्थिक संकट, भावांतर योजना की विफलता और कृषि तंत्र के निजीकरण की साजिश जैसे मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया. अरूण यादव ने कहा कि देश और प्रदेश में सरकारी संस्थाओं को बेचने का

सिलसिला तेज हो गया है, जबकि किसान अपनी मांगों को लेकर सालों से संघर्षरत हैं. एमएसपी की मांग को लेकर दिल्ली में 8 महीने का आंदोलन चला, लेकिन मांग पूरी नहीं हुई।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश से होने के बावजूद प्रदेश के किसानों को सोयाबीन का समर्थन मूल्य (5328 रुपये प्रति क्विंटल) नहीं मिल रहा, और मंडी में यह मात्र 3500 रुपये में बिक रहा है.

शत प्रतिशत गोवंश का पंजीयन कराएं

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की

भोपाल, 26 अक्टूबर. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये कि हिनौती गौधाम में संरक्षित शत प्रतिशत गौवंश का आगामी तीन दिनों में पंजीयन सुनिश्चित करें। उन्होंने लगभग 1200 से अधिक गौवंश की गणना कर पंजीयन कराने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने न्यू सर्किट हाउस राजनिवास में आयोजित बैठक में हिनौती गौधाम में निर्णाणाधीन कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रशासनिक भवन सहित सुरभि, कपिला व कामधेनु कूल गौशेड के निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करें तथा गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाय. इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम अनुराग तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वीकृति कार्यों की राशि जारी हों

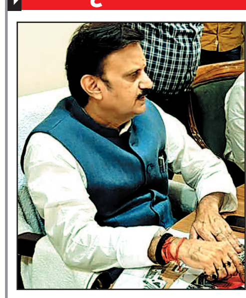

उप मुख्यंत्री ने कहा कि जिन कार्यों के लिए प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है उनमें शीघ्र राशि जारी करें जिससे कार्य में विलंब न हो। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में प्राकृतिक खेती को प्रारंभ कराया जाय। हिनौती गौधाम में गत दिनों कराये गये वृक्षारोपण की स्थिति तथा फेंसिंग कार्य की भी जानकारी उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की।

पीड़िता के पिता का अपहरण करने पर हाइवे पर लगाया जाम

नवभारत न्यूज

रीवा, 26 अक्टूबर. मऊगंज जिले में नाबालिग लडकी के साथ गैंगरेप की वारदात को अगस्त माह में अंजाम दिया गया था. शनिवार की रात आरोपी ने पीड़िता के पिता का घर से अपहरण कर लिया.

जिसके बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीणो ने मऊगंज-हनुमना हाइवे पर जाम लगा दिया और रात 2 बजे तक बवाल मचा रहा. सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक आरोपी सहित कई संदेहियों को हिरासत में लिया है. समझाइश के बाद रात को मामला शांत हुआ और जाम हटा. जानकारी के मुताबिक अगस्त महीने में नाबालिग लडकी के साथ गैंगरेप हुआ था. आरोपी पीड़िता के पिता पर दबाव बनाने के लिये शनिवार की रात घर से अपहरण कर लिया.

सूचना मिलने पर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने घेराबंदी शुरू की तो आरोपी ने अपहत व्यक्ति को छोड़ दिया और एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया जो गैंगरेप का मुख्य आरोपी है. इसके साथ ही कई संदेहियों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूंछताछ की जा रही है. मऊगंज-हनुमना हाइवे में आक्रोशित ग्रामीण जाम लगा दिये थे, भारी पुलिसबल मौके पर पहुंचा और समझाइश दी.

2016 का स्मृति ग्रंथ बना सिंहस्थ 2028 का आधार

- पुराने ज्ञान का अध्यन कर रहे नए अधिकारी
- सभी अधिकारी कर्मचारियों को बांटी जा रही बीते कुंभ की किताब
- 5 करोड़ श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं का लेखा-जोखा

नवभारत न्यूज

उज्जैन. मोक्षदायिनी मां शिप्रा के तट पर होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ महाकुंभ 2028 की तैयारियां अभी से जोर पकड़ने लगी हैं. खास बात यह है कि इन तैयारियों में सिंहस्थ महापर्व 2016 में प्रकाशित एक विशेष पुस्तक/शासकीय प्रतिवेदन को 'गाइडलाइन' के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है.

उज्जैन में हाल ही में आए कई नए अधिकारियों को इस किताब का गहन अध्ययन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वे 2028 के विशाल आयोजन को सफलतापूर्वक अंजाम दे सके.

2016 की किताब में पूरा सिंहस्थ-बीते सिंहस्थ विक्रम संवत 2073 में प्रकाशित इस किताब में 2016 के सिंहस्थ महाकुंभ से जुड़ी प्रस्तावना से लेकर पूरे आयोजन की गतिविधियों, योजनाओं और निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई है. तात्कालिक अधिकारियों ने क्या-क्या तैयारी की थी किस प्रकार से मेला क्षेत्र तक सुविधाएं जुटाना गई थी इसका उल्लेख किया गया है.

नए अधिकारी ले रहे पुराना ज्ञान-महाकुंभ की तैयारी में जुटे सभी मौजूदा अधिकारियों को यह महत्वपूर्ण किताब उपलब्ध कराई गई है. दो-चार पुराने अधिकारियों को छोड़कर अधिकांश अधिकारी उज्जैन में नए हैं, जिनके लिए यह प्रतिवेदन एक अनिवार्य मार्गदर्शिका का काम कर रहा है.

पूर्व दिग्गजों के संदेश-किताब में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का संदेश, केंद्रीय सिंहस्थ समिति के पूर्व अध्यक्ष माखन सिंह चौहान और सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष दिवाकर नातू सहित तमाम पूर्व अधिकारियों के संदेश भी प्रकाशित हैं. पूर्व कलेक्टर से लेकर पूर्व संभाग आयुक्त और पूर्ण निगम आयुक्त से लेकर पूर्व आय जी पूर्व एसपी तक के संस्मरण किताब में उपलब्ध है.

धार्मिक-सांस्कृतिक पहलुओं का समावेश-शासकीय प्रतिवेदन में धार्मिक और सांस्कृतिक प्रकल्प से जुड़े समाजसेवियों के लेख भी शामिल हैं, जिनका अध्ययन मौजूदा अधिकारी और जनप्रतिनिधि कर रहे हैं. अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है कि अधिकारियों को विशेष रूप से सिंहस्थ 2016 में लागू की गई योजनाओं, संचालित गतिविधियों, निर्माण कार्य और विकास कार्यों के सचित्र आंकड़े व विवरण से अनुभव प्राप्त हो सके.

बुनियादी जानकारी - सरकारी सिंहस्थ की उक्त किताब में मोक्षदायिनी मां शिप्रा से लेकर 84 महादेव मंदिर, महाकाल मंदिर, सिंहस्थ का इतिहास, कुम्भ महत्व, साधु समाज और 13 अखाड़ों की जानकारी भी दी गई है. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हुए पत्राचार और उज्जैन के लगभग 60 से अधिक सरकारी विभागों को दी गई जिम्मेदारियों, उनके कार्यों के सचित्र ब्यौरे भी समाहित हैं. इसमें निर्माण कार्यों की लंबाई, चौड़ाई, खर्च और समय सीमा के समस्त आंकड़े दिए गए हैं.

5 करोड़ आए थे अब 30 करोड़ आएंगे

यह प्रतिवेदन अधिकारियों को बता रहा है कि 2016 में उज्जैन आए 5 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए क्या-क्या मूलभूत सुविधाएं जुटाई गई थीं, जिसमें सरकारी एजेंसियों के स्थाई और अस्थाई कर्मचारियों के कार्ड बनाने, साधु-संतों और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय समिति बनाने जैसे रोचक तथ्य भी शामिल हैं. अब आगामी सिंहस्थ 2028 में 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे उसी की तैयारी में मध्य प्रदेश सरकार और उज्जैन जिला प्रशासन जुटा है.

तैयारी ▸ केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

खेल महोत्सव में शामिल होंगे कपिल देव और सीएम

30 अक्टूबर से शुरू होगी प्रतियोगिताएं

नवभारत न्यूज

विदिशा, केन्द्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में आयोजित पत्रकार वार्ता में 30 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होने वाले सांसद खेल महोत्सव के संबंध में मीडिया को जानकारी दी.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शरीर को स्वस्थ बनाने में खेलों का अपना

एक अलग महत्व है. खेल शरीर को स्वस्थ भी बनाते हैं और आनंद और उल्लास से भी भरते हैं.

प्रधानमंत्री जी की मंशा अनुरूप सांसद खेल महोत्सव का आयोजन विदिशा संसदीय क्षेत्र में किया जा रहा है. सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 30 अक्टूबर से शुरू होगा. विदिशा के खेल स्टेडियम परिसर में खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और क्रिकेट खिलाड़ी व देश के गौरव कपिल देव विदिशा आएंगे

केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि सांसद खेल प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें रस्सा कसी, कुर्सी दौड़ और चम्मच दौड़ इत्यादि खेल प्रतियोगिताएं शामिल होंगी. साथ ही संसदीय क्षेत्र स्तर पर क्रिकेट, कबड्डी, टेनिस बॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा. संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा.

जिसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा. संपूर्ण संसदीय क्षेत्र में खेलों के प्रति जागरूकता और रुझान बढ़े इसके लिए टॉर्च रैली भी निकाली जाएगी. चार खेल लोकल स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें विदिशा में फुटबॉल, खातेगांव में कुश्ती, इछावर में खो-खो और मंडी दीप में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्तर पर किया जाएगा.

37038 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

चौहान ने बताया कि खेलों के प्रति युवाओं की भी बढ़-चढ़कर सहभागिता देखी जा रही है. अब तक विदिशा संसदीय क्षेत्र में 37038 से अधिक खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है, जो युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता व रुचि का प्रत्यक्ष प्रमाण है. उन्होंने बताया कि संसदीय क्षेत्र की विधानसभा भोजपुर में 3327, सांची में 3422, खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है.

महिला की उल्टी दस्त से इलाज के दौरान मौत

छिंदवाड़ा. अभी लोग जहरीले कोल्ड्रफ कफ से 25 मासूमों की मौत के तांडव को भुला नहीं पाए है. इधर अमरवाड़ा के रिधोरा में दूषित पानी पीने से हुई उल्टी दस्त की शिकारदुर्गा पति स्व नरेश चंद्रवंशी उम्र 36 साल की रविवार की सुबह 9 बजे मौत हो गई. उसे शनिवार की शाम 6 बजे करीब भर्ती कराया गया था. मौत को लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा कर दिया. परिजनों ने इलाज में लापरवाही को लेकर डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए है. परिजनों का कहना है की पहले तो नर्स ने इलाज किया. उसके बाद डॉक्टर पहुंचे. उन्होंने जांच कर पर्ची में दवा लिख दी. रात भर एक के बाद एक लगातार ग्लूकोज की बॉटल लगाते गए, लेकिन मरीज को आराम नहीं लगा.

प्रदेश के कई जिलों में बारिश, बढ़ सकती है ठंड

भोपाल, 26 अक्टूबर. मप्र में बारिश का दौर जारी है. रतलाम, इंदौर, उज्जैन, देवास, अनूपपुर, डिंडौरी सहित 20 अधिक जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश हो सकती है.

मौसम विभाग ने इन जिलों पर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है. भारी बारिश के आसार होने से इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. प्रदेश में इन दिनों हो रही बारिश ने सर्द का एहसास कराना शुरू कर दिया है. रविवार को भोपाल और आसपास के जिलों में आसमान छाए रहने से दिनभर धीमी बारिश होती रही. बारिश के चलते अचानक से सर्दी बढ़ गई है. दीपावली पर्व के बाद प्रदेश के मौसम में अचानक बदलाव हुआ है. मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में, अधिकतम तापमान नर्मदापुरम संभाग के जिलों में 4.9 डिग्री सेल्सियस तक विशेषरूप से गिरा. इंदौर, जबलपुर एवं शहडोल संभागों के जिलों में 2.2-3.डिग्री सेल्सियस तक काफी गिरा एवं शेष सभी संभागों के जिलों के तापमानों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ.

जिलों के तापमान

इंदौर व नर्मदापुरम संभागों के जिलों में सामान्य से 3.7-4.5 डिग्री सेल्सियस तक काफी कम रहा. भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, शहडोल व सागर संभागों के जिलों में सामान्य से 1.6-2.4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा. शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहा पिछले 24 घंटो में, न्यूनतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ. भोपाल, ग्वालियर व चंबल संभागों के जिलों में सामान्य से 2.8 3.1 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा. नर्मदापुरम, उज्जैन, रीवा, जबलपुर व सागर संभागों के जिलों में सामान्य से 3.2 5.0 डिग्री सेल्सियस तक काफी अधिक रहा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60